Navbharat Times

4 April, 2018

मैनुफैक्चरिंग में 5 महीने के निचले लेवल पर ग्रोथ

विस, नई दिल्ली : भारत की मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ग्रोथ मार्च में 5 माह के निचले लेवल पर आ गई। मार्च में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई गिरकर 51.0 पर आ गई। फरवरी में यह आंकड़ा 52.1 था। निक्कई इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) में कहा गया कि यह गिरावट बिजनेस ऑर्डर बढ़ने की धीमी गति और कंपनियों की ओर से कम लोगों को नियुक्त करने की वजह से आई है। पीएमआई रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर के बाद से ऑपरेटिंग कंडीशन में सुधार काफी धीमा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएमआई इम्पलॉयमेंट डाटा लेबर मार्केट में सावधानी का संकेत दे रहा है। कंज्यूमर्स और अंतरराष्ट्रीय मार्केट ग्रुप में शामिल मैन्युफैक्चरर्स ने रोजगार को नहीं बढ़ाने का संकेत दिया है। वहीं, बिजनेस सेंटीमेंट भी कमजोर है, जो यह बताता है कि अगले 12 माह तक बिजनेस संभावनाओं को लेकर चिंतित रहेगा। इकोनामिस्ट डा. सारथी आचार्य का कहना है कि यह इस बात का संकेत है कि कंपनियां अपना विस्तार नहीं कर रही है और मार्केट में डिमांड कम है। ऐसे में नौकरियों की संख्या में बढ़ोत्तरी का सवाल ही नहीं उठता।

इंडस्ट्री चैंबर एसोचैम के डायरेक्टर जनरल डी.एस. रावत के अनुसार किसी भी देश की इकोनामी का दारोमदार पूरी तरह से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर निर्भर करता है। अगर देश में उत्पादन बढ़ेगा तो कंपनियों की आमदनी बढ़ेगी। इससे जीडीपी और नौकरियां दोनों बढ़ेंगी।